



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Savera Times	14.09.2024	---	--

## Need to make agricultural training more effective: Dr. US Gautam

@ The Savera Times

### Network

**Hisar:** The annual review workshop of Krishi Vigyan Kendras of Rajasthan, Haryana and Delhi was concluded at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University. ICAR Deputy Director General (Agricultural Extension) Dr. US Gautam was the chief guest in the program while the program was presided over by HAU Vice Chancellor Prof. B. R. Kamboj did it.

In his address, Dr. US Gautam said that the agriculture sector will play an important role in making India a developed nation. He said that to ensure solutions to the challenges facing the



Chief Guest Dr. US Gautam addressing the workshop

agriculture sector, scientists of Krishi Vigyan Kendras will have to improve their working methods. He emphasized on improving technical development, research work, extension education system as per the feedback of farmers and promoting it to solve the problems of farmers

and increase agricultural production. Scientists need to solve the problem of using less water. Varieties that give more production will have to be promoted. While reviewing the Krishi Vigyan Kendras, he encouraged them to do first line demonstration, demonstration of technology on farmers' field

as well as to submit monthly progress report on KVK portal. Also Recently, he elaborated on various topics including the changes in the objectives of Krishi Vigyan Kendras and the PPP model. Mentioning the work done in the last 50 years since the establishment of Krishi Vikas Kendras in the year 1974, he said that there are many challenges before the agriculture sector. Keeping in mind the challenges and problems of the farmers, scientists at agricultural science centers will have to work in a better manner. There are a total of 731 KVKs in the country in which more than 29 lakh farmers were trained last year to promote self-employment in the agriculture sector.





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दैनिक जागरण

दिनांक

14-9-24

पृष्ठ संख्या

4

कॉलम

2-6

## कृषि संबंधी प्रशिक्षणों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत : डा. यूएस

### हकृवि में कृषि विज्ञान केंद्रों की तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न



हकृवि में कृषि विज्ञान केंद्रों की तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला में मंच पर उपस्थित मुख्यातिथि एवं अन्य अधिकारी • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केंद्रों की वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न हुई। आइसीएआर के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डा. यूएस गौतम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की।

डा. यूएस गौतम ने कहा कि भारत वर्ष को विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि क्षेत्र कि अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के

वैज्ञानिकों को अपनी कार्य पद्धति में सुधार करना होगा। उन्होंने किसानों की समस्याओं का समाधान करने एवं कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हेतु तकनीकी विकास, शोध कार्य, विस्तार शिक्षा पद्धति को किसानों की फीडबैक के हिसाब से बेहतर ढंग से करने व साथ-साथ प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया।

वैज्ञानिकों को कम पानी से अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों का प्रचार-प्रसार करना होगा। कृषि विज्ञान केंद्रों की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, किसानों के खेत पर तकनीक का प्रदर्शन के साथ-साथ केवीके पोर्टल पर मासिक प्रगति रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया।

साथ ही हाल ही में कृषि विज्ञान केंद्रों के उद्देश्यों में हुए बदलावों व पीपीपी मॉडल सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के समक्ष चुनौतियां एवं किसानों की समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए कृषि विज्ञान केंद्रों पर वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। देश में कुल 731 केवीके हैं जिनमें गत वर्ष के दौरान 29 लाख से अधिक किसानों को कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने केवीके द्वारा करवाए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया।

योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें  
वैज्ञानिक : काम्बोज

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक विकसित होने वाली तकनीक व सूचनाओं के आदान प्रदान को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि किसानों का हकृवि एवं कृषि विकास केंद्रों पर अटूट विश्वास है। केवीके के माध्यम से किसानों को समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, फसल उत्पादन की एडवाइजरी, मिट्टी पानी की जांच सहित अन्य जानकारी दी जा रही है जिससे फसल उत्पादन की लागत को कम करने में मदद मिल रही है। इसलिए वैज्ञानिक किसानों की समस्याओं के निराकरण एवं कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें। उन्होंने प्रगतिशील किसानों द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। आइसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डा. जेपी मिश्रा ने कार्यशाला में सभी का स्वागत किया।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	14-9-24	2	3-5

### कृषि संबंधी प्रशिक्षणों को ओर अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत: डा. गौतम

**हकृवि में कृषि विज्ञान केन्द्रों की तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न**

हिसार, 13 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न हुई। आई.सी.ए.आर. के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. यू.एस. गौतम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

डॉ. गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि भारत वर्ष को विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि क्षेत्र कि अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को अपनी कार्य पद्धति में सुधार करना होगा। उन्होंने किसानों की समस्याओं का समाधान करने एवं कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हेतु तकनीकी विकास, शोध कार्य, विस्तार शिक्षा पद्धति को किसानों की फ्रीडबैक के हिसाब से बेहतर ढंग से करने व साथ-साथ प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया। वैज्ञानिकों को कम पानी से अधिक उत्पादन देने वाली



मंच पर उपस्थित मुख्यातिथि एवं अन्य अधिकारी

किसमों का प्रचार-प्रसार करना होगा। कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, किसानों के खेत पर तकनीक का प्रदर्शन के साथ-साथ केवीके पोर्टल पर मासिक प्रगति रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही हाल ही में कृषि विज्ञान केन्द्रों के उद्देश्यों में हुए बदलावों व पी.पी.पी. मॉडल सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

#### कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें वैज्ञानिक: प्रो. बी.आर. काम्बोज

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए चुनौतियों का समय है। इसलिए कृषि वैज्ञानिक विकसित होने वाली तकनीक व सूचनाओं के आदान

प्रदान को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि किसानों का हकृवि एवं कृषि विकास केन्द्रों पर अटूट विश्वास है। केवीके के माध्यम से किसानों को समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, फसल उत्पादन की एडवाइजरी, मिट्टी पानी की जांच सहित अन्य जानकारी दी जा रही है, जिससे फसल उत्पादन की लागत को कम करने में मदद मिल रही है। इसलिए वैज्ञानिक किसानों की समस्याओं के निराकरण एवं कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें। उन्होंने प्रगतिशील किसानों द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने पेस्टीसाइड के अंधाधुंध प्रयोग को रोकने के लिए किसानों के साथ-साथ पेस्टीसाइड विक्रेताओं को भी प्रशिक्षण देने का आह्वान किया।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	14-9-24	12	4-8

## एचएवी में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न

# विकसित भारत बनाने में कृषि क्षेत्र की होगी अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶ हिंसार



हिंसार। कार्यशाला में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ. यूएस गौतम, कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज एवं अन्य।  
फोटो: हरिभूमि

आईसीएआर के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. यूएस गौतम ने कहा है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि क्षेत्र की अहम भूमिका होगी। कृषि क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को अपनी कार्य पद्धति में सुधार करना होगा।

डॉ. यूएस गौतम शुक्रवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक समीक्षा कार्यशाला

के समापन अवसर पर संबोधित दे रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। डॉ यूएस गौतम ने किसानों की समस्याओं का समाधान करने एवं कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए तकनीकी विकास, शोध कार्य,

विस्तार शिक्षा पद्धति को किसानों की फीडबैक के हिसाब से बेहतर ढंग से करने व साथ-साथ प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया। वैज्ञानिकों को कम पानी से अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों का प्रचार-प्रसार करना होगा।

### वैज्ञानिक और अधिक बेहतर ढंग से करें काम

कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, किसानों के खेत पर तकनीक का प्रदर्शन के साथ-साथ केवीके पोर्टल पर मासिक प्रगति रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया। कृषि विज्ञान केन्द्रों के उद्देश्यों में हुए बदलावों व पीपीपी मॉडल सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कृषि विकास केन्द्रों की स्थापना वर्ष 1974 से लेकर गत 50 वर्षों में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों एवं किसानों की समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। देश में कुल 731 केवीके हैं जिनमें गत वर्ष के दौरान 29 लाख से अधिक किसानों को कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

### कृषि क्षेत्र के लिए चुनौतियों का समय : प्रो. काम्बोज

एचएवी कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए चुनौतियों का समय है। इसलिए कृषि वैज्ञानिक विकसित होने वाली तकनीक व सुचनाओं के आदान प्रदान को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि किसानों का हकृवि एवं कृषि विकास केन्द्रों पर अटूट विश्वास है। केवीके के माध्यम से किसानों को समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, फसल उत्पादन की एडवाइजरी, मिट्टी पानी की जांच सहित अन्य जानकारी दी जा रही है जिससे फसल उत्पादन को लागत को कम करने में मदद मिल रही है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहें	14-9-24	3	1-4

### चिंतन - भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि क्षेत्र कि अहम भूमिका होगी

■ कृषि संबंधी प्रशिक्षणों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत: डॉ. यूएस गौतम सच कहें/संदीप सिंहमार।

हिसार। भविष्य में कृषि क्षेत्र में उत्पादन में बढ़ोतरी व कृषि के समक्ष आ रही चुनौतियों को लेकर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केन्द्रों के कृषि वैज्ञानिकों ने चिंतन किया। इस दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उष महानिदेशक डॉ. यूएस गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि भारत

वर्ष को विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि क्षेत्र कि अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को अपनी कार्य पद्धति में सुधार करना होगा। उन्होंने किसानों की समस्याओं का समाधान करने एवं कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हेतु तकनीकी विकास, शोध कार्य, विस्तार शिक्षा पद्धति को किसानों की फीडबैक के हिसाब से बेहतर ढंग से करने व साथ-साथ प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया।

**कम पानी से अधिक उत्पादन पर रहेगा जोर**  
वैज्ञानिकों को कम पानी से अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों का प्रचार-प्रसार करना होगा। कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रथम पक्ति प्रदर्शन, किसानों के खेत पर तकनीक का प्रदर्शन के साथ-साथ केवीके पोर्टल पर मासिक प्रगति रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही हाल ही में कृषि विज्ञान केन्द्रों के उद्देश्यों में हुए बदलावों व पीपीपी मॉडल सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

**कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हेतु योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें**  
वैज्ञानिक: प्रो. बी.आर. काम्बोज  
प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए चुनौतियों का समय है। इसलिए कृषि वैज्ञानिक विकसित होने वाली तकनीक व सूचनाओं के आदान प्रदान को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि किसानों का हकूवि एवं कृषि विकास केन्द्रों पर अटूट विश्वास है। केवीके के माध्यम से किसानों को समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, फसल उत्पादन की एडवाइजरी, मिट्टी पानी की जांच सहित अन्य जानकारी दी जा रही है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14-9-24	4	6

**कृषि प्रशिक्षणों को अधिक  
प्रभावी बनाने की जरूरत**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न हुई। आईसीएआर के उप महानिदेशक कृषि प्रसार डॉ. यूएस गौतम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की।

डॉ. यूएस गौतम ने कहा भारत वर्ष को विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि क्षेत्र कि अहम भूमिका होगी। उन्होंने किसानों की समस्याओं का समाधान करने एवं कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हेतु तकनीकी विकास, शोध कार्य, विस्तार शिक्षा पद्धति को किसानों की फीडबैक के हिसाब से बेहतर ढंग से करने व साथ-साथ प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया।

देश में कुल 731 केविके हैं जिनमें गत वर्ष के दौरान 29 लाख से अधिक किसानों को कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	14.09.2024	---	--

### कृषि संबंधी प्रशिक्षणों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत: डॉ. यूएस गौतम

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न हुई। आईसीएआर के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार)



डॉ. यूएस गौतम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। डॉ. यूएस गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि

भारत वर्ष को विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि क्षेत्र कि अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों को अपनी कार्य पद्धति में सुधार करना होगा। उन्होंने किसानों की समस्याओं का समाधान करने एवं कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हेतु तकनीकी विकास, शोध कार्य, विस्तार शिक्षा पद्धति को किसानों की फीडबैक के हिसाब से बेहतर ढंग से करने व साथ-साथ प्रचार-प्रसार करने पर बल

हकृवि में कृषि विज्ञान केन्द्रों की तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न

दिया। वैज्ञानिकों को कम पानी से अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों का प्रचार-प्रसार करना होगा। कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रथम पंक्ति प्रदर्शन, किसानों के खेत पर तकनीक का प्रदर्शन के साथ-साथ केवीके पोर्टल पर मासिक प्रगति रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही हाल ही में कृषि विज्ञान केन्द्रों के उद्देश्यों में हुए बदलावों व पीपीपी मॉडल सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक एक्शन इंडिया	14.09.2024	---	--

### कृषि संबंधी प्रशिक्षणों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत: डॉ. यूएस गौतम

#### कार्यशाला

►-हकृवि में कृषि विज्ञान केन्द्रों की तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न



टीम एक्शन इंडिया/हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक समीक्षा कार्यशाला संपन्न हुई। आईसीएआर के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. यूएस गौतम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकृवि के कुलपति प्रो. वी.आर.

काम्बोज ने की। डॉ यूएस गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि भारत वर्ष को विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि क्षेत्र कि अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों

के वैज्ञानिकों को अपनी कार्य पद्धति में सुधार करना होगा। उन्होंने किसानों की समस्याओं का समाधान करने एवं कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हेतु तकनीकी विकास, शोध कार्य, विस्तार शिक्षा पद्धति को किसानों को फीडबैक के हिसाब से बेहतर ढंग से करने व

साथ-साथ प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया। वैज्ञानिकों को कम पानी से अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों का प्रचार-प्रसार करना होगा।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रथम पॉक्त प्रदर्शन, किसानों के खेत पर तकनीक का प्रदर्शन के साथ-साथ केवीके पोर्टल पर मासिक प्रगति रिपोर्ट करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही हाल ही में कृषि विज्ञान केन्द्रों के उद्देश्यों में हुए बदलावों व पीपीपी मॉडल सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कृषि विकास केन्द्रों की स्थापना वर्ष 1974 से लेकर मत 50 वर्षों में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि

कृषि क्षेत्र के समक्ष चुनौतियाँ एवं किसानों की समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। देश में कुल 731 केवीके हैं जिनमें मत वर्ष के दौरान 29 लाख से अधिक किसानों को कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने केवीके द्वारा करवाए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें वैज्ञानिक: प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा। कृषि क्षेत्र के लिए चुनौतियों का समय है।